भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †959
सोमवार, 29 जुलाई, 2024/7 श्रावण, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पर्यटन

†959. श्री कामाख्या प्रसाद तासा:
क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त सेवाएं प्रदान कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गत वर्ष उत्तर-पूर्वी राज्यों में आने वाले घरेलू और विदेशी पर्यटकों की कुल संख्या कितनी है; और

(घ) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पर्यटन के विकास के लिए बाधा मुक्त वातावरण बनाने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय "आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार" (डीपीपीएच) और "विदेशों में सवर्धन और प्रचार" (ओपीपी) नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है । वर्तमान में जारी अपने कार्यकलापों के भाग के रूप में यह उत्तर-पूर्वी क्षेत्र सहित भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों के संवर्धन के लिए नियमित रूप से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है । पर्यटन मंत्रालय अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से भी विभिन्न पर्यटन स्थलों तथा उत्पादों का नियमित रूप से संवर्धन करता है ।

पर्यटन मंत्रालय भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों की पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) का आयोजन करता रहा है । शिलांग (मेघालय), गंगटोक (सिक्किम), इंफाल (मणिपुर), गुवाहाटी (असम), अगरतला (त्रिपुरा), कोहिमा (नागालैंड) और आइजोल (मिजोरम) में आईटीएम आयोजित किए गए हैं । आईटीएम का पिछला अर्थात 11वां संस्करण शिलांग (मेघालय) में दिनांक 21 से 23 नवम्बर, 2023 को आयोजित किया गया था ।

पर्यटन मंत्रालय, गुवाहाटी और शिलांग स्थित अपने केन्द्रीय होटल प्रबंध संस्थानों (सीआईएचएम), जो स्वायत्त निकाय हैं, के माध्यम से मात्रात्मक और गुणात्मक रूप से पर्यटन और आतिथ्य उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त जनशक्ति का एक पूल सृजित करने हेतु आतिथ्य क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है ।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी) नामक अपनी योजना के अंतर्गत विभिन्न स्तरों के आतिथ्य क्षेत्र को कवर करते हुए पर्यटन सेवा प्रदाताओं को शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करने के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं । इस पहल का मुख्य उद्देश्य देश की विशाल पर्यटन क्षमता का पूर्ण रूप से लाभ लेने और स्थानीय लोगों को पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान करने के साथ-साथ शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए पर्यटन सेवा प्रदाताओं के प्रत्येक स्तर पर जनशक्ति को प्रशिक्षित और उन्नत करना है । यह योजना गुवाहाटी और शिलांग में स्थित केंद्रीय आईएचएम, सिक्किम में स्थित राज्य आईएचएम, असम और मेघालय में स्थित फूड क्राफ्ट संस्थान, शिलांग में स्थित भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान के कैम्प कार्यालय और **11** निजी संस्थानों के माध्यम से चलाई जा रही है ।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक योजनाओं के अंतर्गत उत्तर-पूर्वी क्षेत्र सहित देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों में पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है ।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटन केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी तथा जिम्मेदार पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है ।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है ।

(ग): वर्ष 2023 के लिए उत्तर-पूर्वी राज्यों के घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) और विदेशी पर्यटक यात्राओं (एफटीवी) का विवरण निम्नानुसार है:-

		(हजार में)
राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	डीटीवी (अ)	एफटीवी (अ)
अरुणाचल प्रदेश	1040.6	4.5
असम	7612.7	23.8

मणिपुर	57.7	3.7
मेघालय	1371.7	20.0
मिजोरम	209.1	3.8
नागालैंड	99.7	4.7
सिक्किम	1321.2	93.9
त्रिपुरा	366.1	66.7
अ: अनंतिम		
स्रोत: राज्य/संघ राज्य क्षेत्र पर्यटन विभाग		

(घ): प्रभावी और उपयुक्त कनेक्टिविटी किसी पर्यटक गंतव्य के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है । इसी उद्देश्य से नागर विमानन मंत्रालय, भारत सरकार ने आरसीएस- उड़ान योजना शुरू की है जिसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई सम्पर्क को किफायती बनाते हुए इसे सुगम बनाना/प्रोत्साहित करना है । प्रतिष्ठित स्थलों सहित महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों पर कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से चैम्पियन सेवा क्षेत्र योजना (सीएसएसएस) के तहत व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण (वीजीएफ) के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने नागर विमानन मंत्रालय के साथ साझेदारी की है ।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र से निम्नलिखित पर्यटन आरसीएस मार्गों को शामिल किया गया है:

क्र. सं.	मार्ग
1.	डिब्रूगढ़ से दीमापुर
2.	दीमापुर से डिब्रूगढ़
3.	दीमापुर से इम्फाल
4.	इम्फाल से दीमापुर
5.	अगरतला से आइजोल
6.	आइज़ोल से अगरतला
7.	डिब्रूगढ़ से इम्फाल
8.	इम्फाल से डिब्रूगढ़
9.	होलोंगी (अरुणाचल प्रदेश से गुवाहाटी)
10.	गुवाहाटी से होलोंगी (अरुणाचल प्रदेश)

*****

अनुबंध

श्री कामाख्या प्रसाद तासा द्वारा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पर्यटन के संबंध में दिनांक 29.07.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †959 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि
1.	अरुणाचल प्रदेश	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2014-15	भालुकपोंग - बोमडिला और तवांग का विकास	**49.77**	**47.28**
2.	अरुणाचल प्रदेश	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	नफरा - सेप्पा - पप्पू, पासा, पक्के घाटियाँ - सांगडुपोटा - न्यू सागली - जीरो - योम्चा का विकास	**96.72**	**91.88**
3.	असम	वन्यजीव परिपथ 2015-16	मानस - प्रोबितोरा - नामेरी - काजीरंगा - डिब्रू - सैखोवा का विकास	**94.68**	**89.94**
4.	असम	विरासत परिपथ **2016-17**	तेजपुर - माजुली - शिवसागर का विकास	**90.98**	**90.97**
5.	मणिपुर	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	मणिपुर: इम्फाल- खोंगजोम में पर्यटक परिपथ का विकास	**72.23**	**61.32**
6.	मणिपुर	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	श्रीगोविंदजी मंदिर, श्री बिजॉय गोविंदजी मंदिर – श्री गोपीनाथ मंदिर – श्री बंगशीबोडन मंदिर – श्री कैना मंदिर का विकास	**45.34**	**45.33**
7.	मेघालय	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2016-17	उमियम (लेक व्यू), यू लुम सोहपेटबनेंग- मावडियांगडियांग - ऑर्किड लेक रिज़ॉर्ट का विकास	**99.13**	**99.11**
8.	मेघालय	उत्तर-पूर्वी	पश्चिमी खासी हिल्स (नॉन्गखलाव -	**84.97**	**84.96**

		परिपथ 2018-19	क्रेमटिरोट - खुदोई और कोह्मांग फॉल्स - ख्री नदी - मावथद्राइशन, शिलांग), जैंतिया हिल्स (क्रांग सूरी फॉल्स - श्यरमंग -लुक्सी), गारो हिल्स (नोकरेक रिजर्व, कट्टा बील, सिजू गुफाएं) का विकास		
9.	मिजोरम	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	थेनजोल और दक्षिण ज़ोटे, जिला सेरछिप और रेइक का विकास ।	**92.26**	**92.26**
10.	मिजोरम	इको परिपथ 2016-17	इको-एडवेंचर परिपथ आइजोल - रावपुइचिप - खावफावप - लेंगपुई - चटलांग - सकाव्रह्मुइतुइतलांग - मुथी - बेरात्लांग - तुइरियल एयरफील्ड - ह्मुइफांग का विकास	**66.37**	**53.09**
11.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2015-16	जनजातीय परिपथ पेरेन- कोहिमा- वोखा का विकास	**97.36**	**97.36**
12.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2016-17	मोकोकचुंग - तुएनसांग -मोन का विकास	**98.14**	**98.14**
13.	सिक्किम	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	रंगपो (प्रवेश) - रोराथांग - अरितार - फादमचेन - नाथांग-शेराथांग - त्सोंगमो - गंगटोक - फोडोंग - मंगन - लाचुंग-युमथांग - लाचेन - थांगु - गुरुडोंगमेर - मंगन - गंगटोक - तुमिनलिंगी - सिंगतम (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	**98.05**	**97.41**
14.	सिक्किम	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2016-17	सिंगतम - माका - टेमी – बरमोइकटोकेल - फोंगिया -नामची - जोरथांग - ओखारे - सोम्बारिया-दारमदीन-जोरेथांग-मेल्ली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	**95.32**	**95.32**
15.	त्रिपुरा	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	अगरतला - सिपाहीजला - मेलाघर - उदयपुर - अमरपुर - तीर्थमुख - मंदिरघाट - डंबूर - नारिकेलकुंजा - गंडाचारा - अंबासा का विकास	**82.85**	**77.76**
16.	त्रिपुरा	उत्तर-पूर्वी	सुरमाचेर्रा - उनाकोटी - जम्पुई हिल्स -	**44.83**	**35.25**

		परिपथ 2018-19	गुनाबती - भुनानेश्वरी - नीरमहल - बॉक्सनगर - छोटाखोला - पिलक- अवंगचार्रा का विकास		

स्वदेश दर्शन **2.0**

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	गंतव्य	हस्तक्षेप का नाम	स्वीकृत लागत
1	सिक्किम	गंगटोक	गंगटोक सांस्कृतिक गांव	**22.59**
2	मेघालय	सोहरा	मेघालयन एज केव एक्सपीरियंस	**32.45**
3	अरुणाचलप्रदेश	मेचुका	मेचुका सांस्कृतिक हाट	**18.48**
4	असम	कोकराझार	कोकराझार वेटलैंड एक्सपीरियंस	**26.67**
5	असम	जोरहाट	सिन्नामारा चाय बागान की पुनर्कल्पना	**23.91**
6	सिक्किम	ग्यालशिंग	युकसोम क्लस्टर में इको-वेलनेस एक्सपीरियंस	**15.40**
7	अरुणाचलप्रदेश	नाचो	अनलॉक नाचो एक्सपिडीशन	**14.02**
8	अरुणाचलप्रदेश	मेचुका	मेचुका एडवेंचर पार्क	**12.75**
9	मेघालय	सोहरा	वॉटरफॉल्स ट्रेल्स एक्सपीरियंस	**27.84**
10	नागालैंड	चुमोउकेदिमा	मिडवे रिट्रीट में आदिवासी सांस्कृतिक अनुभव	**21.56**

प्रशाद योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत लागत	निर्मुक्त लागत
1	अरुणाचल प्रदेश	परशुरामकुंड, लोहित जिला का विकास।	**2020-21**	**37.88**	**21.95**
2	असम	कामाख्या मंदिर और गुवाहाटी में तथा उसके आसपास के तीर्थस्थलों का विकास	**2015-16**	**29.80**	**29.80**
3	मेघालय	मेघालय में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	**2020-21**	**29.29**	**24.92**
4	मिजोरम	मिजोरम राज्य में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना विकास	**2022-23**	**44.89**	**6.52**
5	नागालैंड	नागालैंड में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	**2018-19**	**25.20**	**21.33**
6	नागालैंड	जुन्हेबोटो में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना	**2022-23**	**18.18**	**10.90**

		का विकास			
7	सिक्किम	फोर पेट्रन सेंट्स, युक्सोम में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	**2020-21**	**33.32**	**28.31**
8	त्रिपुरा	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, उदयपुर का विकास	**2020-21**	**37.80**	**25.62**

पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	वर्ष	परियोजना का नाम	एजेंसी	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि
1.	असम (नेमाती, पांडु, जोगीघोपा और विस्वनाथघाट)	2019-20	पर्यटन मंत्रालय ने एनडब्ल्यू-2 (ब्रह्मपुत्र) में 4 जेट्टी के विकास का कार्य जारी रखने की मंजूरी दे दी है।	आईडब्ल्यूएआई	28.03	7.01
2.	मिजोरम	2020-21	आइजोल, मिजोरम में कन्वेंशन सेंटर और संबंधित अवसंरचना का विकास	वैपकोस	39.95	27.69
3.	उत्तर-पूर्वी क्षेत्र	2022-23	उत्तर-पूर्वी राज्यों में 22 व्यू प्वॉइंट्स का विकास **(i)** नागालैंड (2 व्यू प्वाइंट) **(ii)** मेघालय (3 व्यू प्वाइंट) **(iii)** मिजोरम (9 व्यू प्वाइंट) **(iv)** अरुणाचल प्रदेश (4 व्यू प्वाइंट) **(v)** मणिपुर (3 व्यू प्वाइंट) **(vi)** सिक्किम/पश्चिम बंगाल (1 व्यू प्वाइंट)	एनएचआईडीसीएल	44.44	27.06
4.	असम	2018-19	कामाख्या रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	4.96	4.02
5.	असम	2018-19	गुवाहाटी रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	4.99	4.34

*****